www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
15 मार्च 2023, नोएडा, नगर संस्करण

● पांच प्रदेश ● 21 संस्करण

गावस्कर ने कहा, हार्दिक पंड्या 2023 विश्व कप के बाद कप्तान बन सकते हैं

यात्रियों के लिए आठ हेक्टेयर में फॉरेस्ट पार्क बनेगा

एयरपोर्ट पर जल्द टर्मिनल भवन और ऑफिस ब्लॉक दिखने लगेंगे, रनवे की छह लेयर पूरी, यात्रियों को कई सुविधाएं मिलेंगी

जेवर एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में यात्रियों को हर सुविधा देने की तैयारी है। यात्रियों के लिए यहां आठ हेक्टेयर में फॉरेस्ट पार्क बनाया जाएगा। यहां यात्री और आगंतुक समय बिता सकेंगे। वहीं, टर्मिनल बिल्डिंग में फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है और आगे का काम चल रहा है। तय समय पर इसको पूरा करने की तैयारी है।

एयरपोर्ट की विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) ने पिछले साल टाटा प्रोजेक्ट्स को निर्माण कार्य का ठेका दिया था। इसके बाद टाटा ने जून में काम शुरू कर दिया था। यहां पर यात्रियों को सभी सुविधाएं देने की तैयारी है। वाईआईएपीएल ने प्रोजेक्ट स्थल से निकले पेड़ों से एक फॉरेस्ट पार्क बनाने के लिए जमीन ली है। यहां यात्री और आगंतुक अपना खाली समय बिता सकेंगे। यह एयरपोर्ट के लिए हरित क्षेत्र होगा। इसके अलावा यहां घरेलू प्रजातियों का संरक्षण करने की योजना बन रही है। ग्रीन एयरपोर्ट बनने के अपने उद्देश्य की ओर एनआईए चरणबद्ध रूप से एयरपोर्ट में 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिकली पॉवर्ड वाहन के लिए सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करेगा।

लाइटिंग का काम किया जाएगा : जेवर एयरपोर्ट में जून से अब तक यहां पर 42 लाख घंटे काम हो चुका है। रनवे की छह लेयर पूरी हो गई हैं। अब फाइनल लेयर का काम शुरू होगा। इसके बाद लाइटिंग का काम किया जाएगा। इसी तरह टर्मिनल बिल्डिंग में भी फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है और आगे का काम चल रहा है। 40 मीटर ऊंचे एटीसी टावर से एयरपोर्ट का 360 डिग्री व्यू मिलेगा। यहां से रनवे, एप्रॉन और टैक्सीवे देख सकेंगे।

जेवर में मंगलवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का रनवे तैयार करते कर्मचारी। ● हिन्दुस्तान

अब एयरपोर्ट आकार लेने लगा

जेवर एयरपोर्ट में टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी बिल्डिंग और रनवे का काम चल रहा है। वाईआईएपीएल के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि पहले चरण के निर्माण में अब तक 14 हजार टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है। जबकि 32,000 क्यूबिक मीटर कन्क्रीट डाली जा चुकी है। परियोजना में लेवलिंग और खुदाई का काम पूरा हो चुका है। अब एयरपोर्ट आकार लेने लगा है।

80 एकड़ में कार्गो हब विकसित होगा

वाईआईआईपीएल ने एयरपोर्ट पर मल्टी मॉडल कार्गो हब (एमएमसीएच) का विकास करने के लिए एआईसेट्स को चुना है। यह 80 एकड़ में विकसित होगा। कार्गो हब देश के निर्माण केंद्रों से तीव्र, सुविधाजनक और इंटरमोडल कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह उत्तर भारत में एक कार्गो गेटवे का काम करेगा। इसमें कार्गो टर्मिनल, इंटीग्रेटेड वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स जोन होगा।

14 हजार टन स्टील लगी पहले चरण में

32 हजार क्यूबिक मीटर कन्क्रीट डाली जा चुकी

1.2 करोड़ वार्षिक यात्री प्रबंधन की क्षमता होगी

निर्माण समय पर होगा

प्रोजेक्ट सीओओ किरण जैन ने कहा कि पहला चरण 1,334 हेक्टेयर में फैला होगा। पहले चरण के पूरा होने पर 3,900 मीटर लंबा रनवे और 1.2 करोड़ की वार्षिक यात्री प्रबंधन क्षमता वाला टर्मिनल भवन होगा। समय पर पूरा होने के लिए ट्रैक पर है। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन उद्योग है। सेंटर फॉर एशिया पैसिफिक एविएशन इंडिया के अनुसार भारतीय कैरियर्स के अनुसार देश में 1,000-1,200 एयरक्राफ्ट के ऑर्डर दिए जाने का अनुमान है।